

सहभागी सिचार्ड रथ



पानी पैसे की तरह बचायें

जल बचाओ उपजु बढाओ



4

1

5

9

2

8

7

6

3

सहभागी सिंचाई रथ

2

कम कर लो अपने बीच की दूरी,
जिसके लिए है “पिम” जरूरी।

1

सहभागिता बढ़ाना है,
‘पिम’ हमको अपना है

5

प्रथम चरण में पिम से प्राप्त लाभ



कम कर लो अपने बीच की दूरी,
जिसके लिए है "पिम" जरूरी।

6

किसानों की सामान्य समस्याएँ

8



निदान केवल एक ही....

सहभागी सिंचाई प्रबन्धन

‘पिम’



“पिम” को जब अपनायेंगे,
नहर अपराध घट जायेंगे।

“पिम” से जब जुड़ जायेगा मन,
किसान बनेगा अति सम्पन्न ।

4

सभी कृषक सहभागी होंगे,
सकल सिंचाई प्रबन्धन में,
नहीं रहेंगे बधे किसी भी,
अब सरकारी बन्धन में।

5



“पिम” से जब जुड़ जायेगा मन,
किसान बनेगा अति सम्पन्न ।

किसानों में सिंचाई व्यवस्था को लेकर स्वामित्व का बोध कराना

सिंचाई व्यवस्था का बेहतर संचालन एवं रख-रखाव किया जाना

सिंचाई विभाग एवं किसानों के बीच एक स्वस्थ वातावरण का निर्माण किया जाना

सहभागी सिंचाई प्रबन्धन
‘पिम’

पानी का किफायती उपयोग करना तथा सबके हिस्से का पानी उपलब्ध कराना

सतही एवं भूगर्भ जल के सहयुक्त उपयोग को बढ़ावा देना

“पिम” से जब जुड़ जायेगा मन,
किसान बनेगा अति सम्पन्न ।